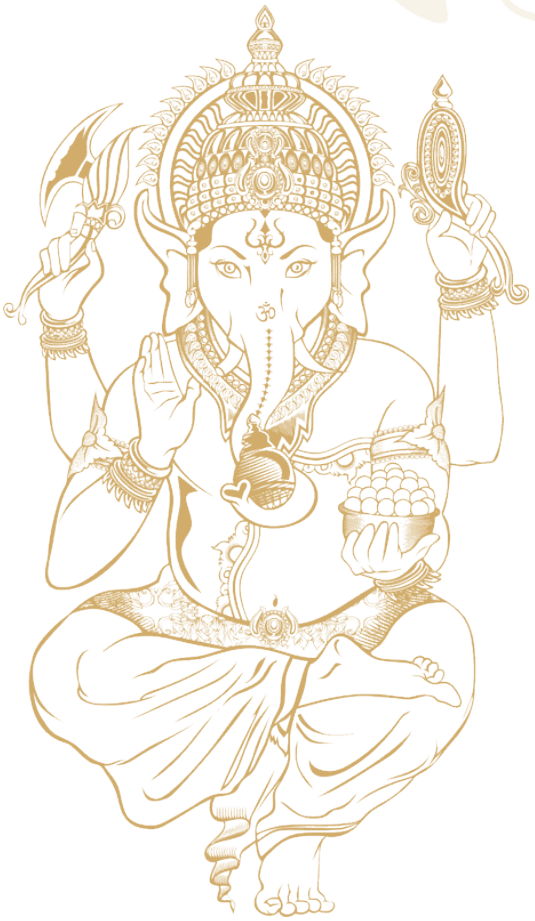

Vikas Shikha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121764909

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
14/06/1994	जन्म तिथि	12/03/1997
मंगलवार	दिन	बुधवार
घंटे 09:40:00	जन्म समय	13:05:00 घंटे
घटी 10:36:53	जन्म समय(घटी)	16:11:53 घटी
India	देश	India
Pataudi	स्थान	Delhi
28:20:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
76:49:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:22:44	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:25:14	सूर्योदय	06:34:43
19:20:39	सूर्यास्त	18:27:32
23:47:00	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:04

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 5वर्ष 7मा 3दि		23:56:16	कर्क	लग्न	मिथु	19:16:48	केतु 0वर्ष 4मा 7दि	
शुक्र		29:06:42	वृष	सूर्य	कुंभ	27:57:15	चन्द्र	
16/01/2007		25:36:48	कर्क	चंद्र	मेष	12:39:37	20/07/2023	
16/01/2027		21:57:48	मेष	मंगल व	कन्या	04:53:30	19/07/2033	
शुक्र	18/05/2010	14:33:05	मिथु व	बुध	कुंभ	28:34:58	चन्द्र	19/05/2024
सूर्य	18/05/2011	11:27:57	तुला व	गुरु	मक	17:23:21	मंगल	18/12/2024
चन्द्र	16/01/2013	04:53:01	कर्क	शुक्र	कुंभ	22:35:41	राहु	19/06/2026
मंगल	18/03/2014	18:33:13	कुंभ	शनि	मीन	14:07:00	गुरु	19/10/2027
राहु	18/03/2017	29:40:11	तुला व	राहु	कन्या	04:54:33	शनि	19/05/2029
गुरु	17/11/2019	29:40:11	मेष व	केतु	मीन	04:54:33	बुध	19/10/2030
शनि	16/01/2023	01:48:29	मक व	हर्ष	मक	13:20:49	केतु	20/05/2031
बुध	16/11/2025	28:57:24	धनु व	नेप	मक	05:27:15	शुक्र	18/01/2033
केतु	16/01/2027	02:11:14	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	11:46:50	सूर्य	19/07/2033

लग्न-चलित

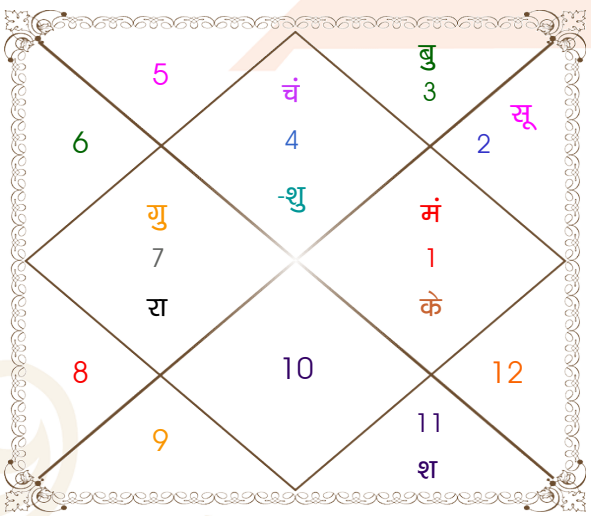

लग्न-चलित

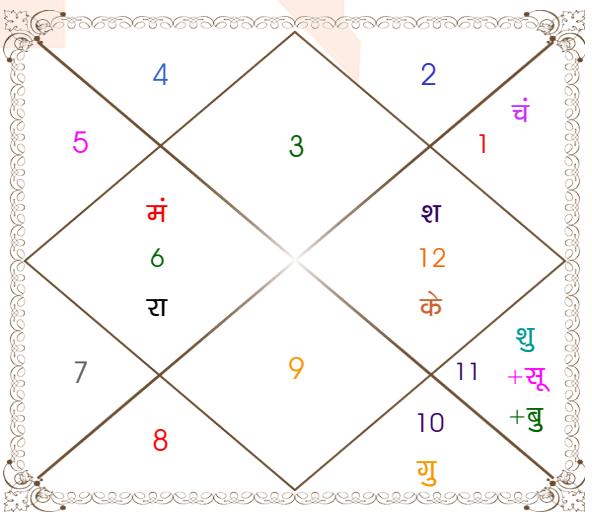

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मार्जार	अश्व	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	मंगल	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

Vikas का वर्ग श्वान है तथा ौपर्ी का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Vikas और ौपर्ी का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Vikas मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

ौपर्ी मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु ौपर्ी कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Vikas कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Vikas तथा ौपर्ी में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।